CEDSI TIMES

Your Skilling Partner...

मदर डेयरी ने 70 रुपये प्रति लीटर पर भैंस का दूध लॉन्च किया

प्रमुख डेयरी कंपनी मदर डेयरी ने दिल्ली-एनसीआर में भैंस के दूध के बाजार में कदम रखा है और 70 रुपये प्रति लीटर की कीमत वाला एक वैरिएंट पेश किया है। दिल्ली-एनसीआर में 35-36 लाख लीटर और देशभर में 45-47 लाख लीटर की वर्तमान दैनिक आपूर्ति के साथ, कंपनी का लक्ष्य मार्च 2023 तक इस भैंस के दूध खंड को 500 करोड़ रुपये का ब्रांड बनाना है।

प्रबंध निदेशक मनीष बंदलिश ने कहा कि प्रारंभिक आपूर्ति 50,000 से 75,000 लीटर प्रतिदिन तक होगी, मार्च 2025 तक 2 लाख लीटर प्रतिदिन तक पहुंचने की उम्मीद है।

भैंस का दूध, जिसमें 6.5% वसा सामग्री और 9% एसएनएफ होता है, एक मलाईदार बनावट और समृद्ध स्वाद प्रदान करता है। मदर डेयरी आने वाले महीनों में भैंस के दूध के संस्करण को उत्तर प्रदेश, हरियाणा और महाराष्ट्र तक विस्तारित करने की योजना बना रही है। यह रणनीतिक कदम उच्च वसा वाले दूध की बढ़ती मांग को पूरा करता है और विकास के लिए एक आकर्षक अवसर पेश करता है।

गोकुल डेयरी ने 17.5 लाख लीटर का रिकॉर्ड दैनिक दूध संग्रह हासिल किया

महाराष्ट्र की सबसे बड़ी सहकारी डेयरी, गोकुल डेयरी ने पिछले तीन वर्षों में 17.5 लाख लीटर से अधिक दैनिक दूध संग्रह के साथ एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है - 6 लाख लीटर की वृद्धि।

अध्यक्ष अरुण डोंगले ने किसान प्रोत्साहन पर जोर देते हुए 2025 तक दैनिक संग्रह को 20 लाख लीटर तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा है। अमूल और नंदिनी जैसी बड़ी डेयरियों को प्रतिस्पर्धी के रूप में न देखते हुए, डोंगले ने गोकुल को कोल्हापुर जिले पर ध्यान केंद्रित करने पर जोर दिया।

योजनाओं में उत्पाद विस्तार, बढ़े हुए आउटलेट और लगातार गुणवत्ता शामिल हैं। डेयरी मुंबई को लगभग 12 लाख लीटर की आपूर्ति करती है और एक मजबूत सहकारी पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखते हुए, गुणवत्तापूर्ण नस्लों के लिए प्रशिक्षण और रियायती दरों के साथ किसानों का समर्थन करती है।

पोनलाइट ने पुडुचेरी में मिल्क पार्लरों में डिजिटल भुगतान की शुरुआत की

15,000 लीटर दूध की औसत दैनिक बिक्री, कुल ₹15 लाख के साथ, पोनलाइट का लक्ष्य गांधी थिडल और मिशन स्ट्रीट में पार्लरों का नवीनीकरण करके, एक विस्तारित उत्पाद श्रृंखला की पेशकश करके ग्राहक अनुभव को बढ़ाना है।

पुडुचेरी में सहकारी दुग्ध उत्पादक संघ, पोनलाइट, अब एक नए शुरू किए गए डिजिटल वॉलेट एप्लिकेशन के माध्यम से अपने 60 पार्लरों में डिजिटल भुगतान की सुविधा प्रदान करता है। डिजिटल लेनदेन की मांग को पहचानते हुए, ग्राहक शहर और उपनगरीय पार्लरों में दूध के पैकेट और अन्य उत्पादों के लिए क्यूआर कोड-सक्षम भुगतान कर सकते हैं।

संघ ने राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड से ₹21 करोड़ की फंडिंग की मांग करते हुए अपने आइसक्रीम विनिर्माण संयंत्र का विस्तार करने की योजना बनाई है।

इंडियन इम्यूनोलॉजिकल्स लिमिटेड ने पहला स्वदेशी रूप से विकसित हेपेटाइटिस ए वैक्सीन, 'हेविश्योर' लॉन्च किया

एक अभूतपूर्व विकास में, राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड की सहायक कंपनी, इंडियन इम्यूनोलॉजिकल्स लिमिटेड (आईआईएल) ने भारत की पहली स्वदेशी रूप से विकसित हेपेटाइटिस ए वैक्सीन 'हेविश्योर' लॉन्च की है। हैदराबाद में आयोजित लॉन्च इवेंट ने हेपेटाइटिस ए के खिलाफ भारत की लड़ाई में एक महत्वपूर्ण प्रगति को चिह्नित किया, जो दूषित भोजन या पानी के माध्यम से फैलने वाला एक अत्यधिक संक्रामक यकृत संक्रमण है।

'हैविश्योर' आईआईएल के वैज्ञानिकों की समर्पित टीम द्वारा व्यापक अनुसंधान और विकास का परिणाम है। आईआईएल के प्रबंध निदेशक के. आनंद कुमार ने इस उपलब्धि पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा, "आईआईएल ने आत्मनिर्भर भारत के वास्तविक सार के अनुरूप अथक परिश्रम से हेपेटाइटिस ए के लिए भारत का पहला टीका विकसित किया है।"

8 केंद्रों में सफल नैदानिक परीक्षणों से गुजरते हुए, 'हेविश्योर' सुरक्षित और प्रभावकारी साबित हुआ है। यह हेपेटाइटिस ए को रोकने के लिए एक महत्वपूर्ण संपत्ति है और बच्चों में नियमित टीकाकरण के लिए इसकी सिफारिश की जाती है। दो खुराक में दी जाती है, पहली 12 महीने में और दूसरी कम से कम 6 महीने बाद, यह टीका जोखिम वाले व्यक्तियों, उच्च प्रसार वाले क्षेत्रों की यात्रा करने वालों और संक्रमण या पुरानी यकृत रोगों के व्यावसायिक जोखिम वाले लोगों को भी प्रदान करता है।

हेविश्योर' के साथ, आईआईएल न केवल सार्वजनिक स्वास्थ्य में योगदान देता है, बल्कि महत्वपूर्ण स्वास्थ्य देखभाल समाधान विकसित करने में भारत की क्षमता का उदाहरण भी देता है, जो देश के फार्मास्युटिकल परिदृश्य में एक विजयी मील का पत्थर है।

पीएम मोदी ने स्वदेशी पुंगनूर बौनी गायों को खाना खिलाकर मकर संक्रांति मनाई

मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने आवास पर पुंगनूर गायों को खाना खिलाकर जश्न मनाया। प्रधान मंत्री कार्यालय द्वारा जारी की गई तस्वीरों में पीएम मोदी को लगभग छह पुंगनूर मवेशियों के एक समूह को हरा चारा देते हुए दिखाया गया है, जो आंध्र प्रदेश के पुंगनूर क्षेत्र की एक अनोखी बौनी नस्ल है।

विश्व स्तर पर सबसे छोटे कूबड़ वाले मवेशियों के रूप में जानी जाने वाली, पुंगनूर गायों की विशेषता उनका छोटा आकार है, जो उन्हें पालतू बनाने के लिए आसानी से अनुकूल बनाती है। यह नस्ल, जो एक समय विलुप्त होने के कगार पर थी और संख्या 3,000 से भी कम हो गई थी, एक उल्लेखनीय पुनरुत्थान देखा गया है। 2019 में 20वीं पशुधन जनगणना के अनुसार, कुल 13,275 पुंगनूर मवेशी थे, जिनमें 9,876 शुद्ध और 3,399 वर्गीकृत नस्लें शामिल थीं।

जनगणना ने 2012 की संख्या में एक महत्वपूर्ण सुधार का संकेत दिया, जहां केवल 2,828 पुंगनूर मवेशी दर्ज किए गए थे। आंध्र प्रदेश शुद्ध और श्रेणीबद्ध दोनों नस्लों में अग्रणी है, 2019 की जनगणना में राज्य में 8,806 शुद्ध पुंगनूर का दस्तावेजीकरण किया गया है। तेलंगाना, कर्नाटक, केरल, महाराष्ट्र और तमिलनाडु सहित अन्य राज्यों ने भी इस अनूठी नस्ल के पुनरुद्धार में योगदान दिया।

पीएम मोदी का इशारा न केवल मकर संक्रांति के सांस्कृतिक महत्व को उजागर करता है बल्कि पुंगनूर जैसी स्वदेशी मवेशी नस्लों के संरक्षण के महत्व पर भी जोर देता है।

सीमांत पशुपालकों को सशक्त बनाना: पशुधन बीमा योजना के तहत कृत्रिम गर्भाधान के लिए सब्सिडी

हाशिए पर रहने वाले पशुपालकों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से एक ऐतिहासिक निर्णय में, राज्य कृषि अनुसंधान परिषद के तहत पशुधन परिषद के निदेशक मंडल ने पशुधन बीमा योजना में महत्वपूर्ण बदलावों की घोषणा की है। मुख्य उद्देश्य कृत्रिम गर्भाधान संसाधनों के लिए सब्सिडी प्रदान करना है, विशेष रूप से अनुसूचित जाति और जनजाति के पशुपालकों को लाभ पहुंचाना है।

राज्य पशुधन विकास परिषद की रजत जयंती मनाने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों ने भारत सरकार के राष्ट्रीय डिजिटल पशुधन मिशन के तहत परियोजना निगरानी सेल का उद्घाटन किया। बैठक के दौरान हुई चर्चा में पशुपालकों द्वारा किए जाने वाले कृत्रिम गर्भाधान और राज्य में हिमीकृत वीर्य के उत्पादन की गहन समीक्षा शामिल थी।

इस पहल में एक उल्लेखनीय अतिरिक्त 'साइर डायरेक्टरी' जारी करना है, जो मवेशियों के कृत्रिम गर्भाधान के लिए समर्पित राज्य के वीर्य स्टेशनों पर जानकारी संकलित करती है। पशुधन बीमा योजना के तहत, बोर्ड पशुपालकों द्वारा देय प्रीमियम राशि पर सब्सिडी बढ़ाने पर सहमत हुआ है।

इस वृद्धि में रुपये की वृद्धि शामिल है। सामान्य/ओबीसी/एपीएल के लिए 150.00 प्रति यूनिट और रु. एससी/एसटी पशुपालकों के लिए 50.00 प्रति यूनिट। इस सकारात्मक बदलाव को सुविधाजनक बनाने के लिए, दूध उत्पादकों के लिए उचित मूल्य सुनिश्चित करने वाली राज्य सरकार की पहल नंद बाबा मिल्क मिशन को एक व्यापक प्रस्ताव प्रस्तुत करने का काम सौंपा गया है। यह कदम समावेशी कृषि पद्धतियों और पशुपालक समुदाय में पारंपरिक रूप से हाशिए पर रहने वाले लोगों के कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

केरल के डेयरी किसानों को सशक्त बनाने के लिए 'डेयरी नेक्स्ट' इंटरैक्टिव कार्यक्रम

पशुपालन और डेयरी विकास मंत्री, जे. चिंचुरानी ने केरल में डेयरी किसानों को गाय पालन पर प्रामाणिक जानकारी प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया एक अभिनव इंटरैक्टिव कार्यक्रम 'डेयरी नेक्स्ट' का अनावरण किया। कडक्कल के पास चनापारा में शुरू की गई यह पहल राज्य के सभी 140 विधानसभा क्षेत्रों में लागू की जाएगी।

कार्यक्रम के दौरान, मंत्री ने डेयरी विकास विभाग द्वारा हाल की योजनाओं की सफलता पर प्रकाश डाला, जहां 2023 में प्रत्येक किसान को 20 गायें आवंटित की गईं। गरीबी रेखा से नीचे के 64,000 किसानों तक यह सहायता पहुंचाने की योजना पर काम चल रहा है। इसके अतिरिक्त, उच्च-श्रेणी और तटीय क्षेत्रों में किसानों के लिए विशेष योजनाएं, जिससे मछुआरों और कॉयर श्रमिकों को लाभ होगा, क्षितिज पर हैं।

'डेयरी नेक्स्ट', पशुपालन और डेयरी विकास विभाग, केरल पशुधन विकास बोर्ड और केरल फीड्स लिमिटेड (केएफएल) के बीच एक सहयोग है, जिसका उद्देश्य गाय पालन पर वैज्ञानिक और व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना है। यह कार्यक्रम किसानों को उत्पादन लागत कम करते हुए दूध उत्पादन में सुधार के बारे में जानकारी प्रदान करता है, जो अंततः दूध उत्पादन में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने की दिशा में काम करता है।

इस कार्यक्रम में पशुधन कल्याण संबंधी चिंताओं को भी संबोधित किया गया और जहरीले पौधों के सेवन से होने वाली पशुधन की मौतों को रोकने के लिए दिशानिर्देश पेश किए गए। किसानों को ज़हर के मामले में आपातकालीन संपर्क के साथ-साथ जहरीली पत्तियों और घास की किस्मों की पहचान करने की जानकारी मिली। 'डेयरी नेक्स्ट' का समग्र दृष्टिकोण डेयरी किसानों को समर्थन देने और केरल के डेयरी क्षेत्र में स्थायी प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

हम कौन हैं?

कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के तहत भारतीय कृषि कौशल परिषद (ASCI) के तत्वावधान में काम करने वाली एक स्वायत्त संस्था "सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर डेरी स्किल्स इन इंडिया (CEDSI)", किसानों की आजीविका के सशक्तिकरण और बेहतरी में मदद करने के लिए, वेतनभोगी कर्मचारी, और डेयरी मूल्य श्रृंखला में अन्य हितधारक।

सीईडीएसआई सदस्यता उद्योग के नेताओं, नीति निर्माताओं, विकास चिकित्सकों, डेयरी वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, छात्रों और किसानों को डेयरी उद्योग के लिए आसन्न महत्व के मुद्दों पर बहस और चर्चा करने के लिए एक अनूठा मंच प्रदान करेगी।

CEDSI : रविविंग स्किल्स एंड जनरेटिंग लाइवलीहुड

किसानों/छात्रों/उद्यमियों के लिए कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम

- डेयरी किसान / उद्यमी
- डेयरी फार्म पर्यवेक्षक
- डेयरी कार्यकर्ता
- पशु स्वास्थ्य कार्यकर्ता
- कृत्रिम गर्भाधान तकनीशियन
- पशु चिकित्सा क्षेत्र सहायक
- पशु चिकित्सा नैदानिक सहायक
- बछड़ा पालन
- कृषि उपकरण तकनीशियन
- डेयरी फार्म अर्थशास्त्र और प्रबंधन
- उद्योग संरेखित प्रमाणन कार्यक्रम (बेरोजगार युवा और छात्र)

एफपीओ उन्मुख प्रशिक्षण कार्यक्रम

- उत्पाद प्रौद्योगिकी और प्रक्रियाओं पर एफपीओ सदस्य अभिविन्यास।
- एफपीओ मार्केट लिंकेज
- एफपीओ शासन
- एफपीओ लेखा

डेयरी कॉरपोरेट्स और सहकारी समितियों के लिए प्रमुख कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम

- चिलिंग प्लांट तकनीशियन
- बल्क मिल्क कूलर ऑपरेटर
- ग्राम स्तरीय दुग्ध संग्रह केन्द्र पर्यवेक्षक
- दूध परीक्षक
- ग्रीन हाउस गैसों का शमन
- दूध की गुणवत्ता आश्वासन
- मिल्क डिलीवरी बॉय
- दूध खरीद और इनपुट पर्यवेक्षक
- डेयरी उद्योग में अपशिष्ट प्रबंधन
- चारा और चारा प्रबंधन
- स्वच्छ दूध उत्पादन
- निर्णय समर्थन प्रणाली / डेटा विश्लेषिकी

सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर डेरी स्किल्स इन इंडिया